Downloaded from www.studiestoday.com

इकाई – 10
भुगतान संतुलन

1 विदेशी विनिमय बाजार में किस प्रकार की विनिमय दर में अधिकारिक हस्तक्षेप नहीं होता है ?

उः– विदेशी विनिमय बाजार में लोचशील विनिमय दर में अधिकारिक हस्तक्षेप नहीं होता है। इसका निर्धारण विदेशी विनिमय बाजार में मांग तथा पूर्ति द्वारा होता है।

2 निम्न में से कौनसी दृश्य मद है तथा कौन सी अदृश्य मद है ?

1. जूट उत्पाद का निर्यात 2 सोफट्वेयर की सेवाओं का निर्यात

उः– 1. जूट उत्पाद का निर्यातः– दृश्य मद।

2 सोफट्वेयर की सेवाओ का निर्यातः– अदृश्य मद।

3 भुगतान संतुलन के चालू खाते में कौनसी मदें शामिल नहीं है?

उः– भुगतान संतुलन के चालू खाते में निम्न मदें शामिल नहीं है

1. पूँजीगत हस्तातरण जैसे प्रत्यक्ष निवेश , पोर्टफोलियों निवेश आदि।

4 भुगतान संतुलन के कौनसे खाते मे पर्यटकों को दी जाने वाली पर्यटन सेवाएँ शामिल होती है?

उः– – पर्यटकों को दी जाने वाली पर्यटन सेवाएँ भुगतान संतुलन के चालू खाते में शामिल होती है।

5 कौन से हंस्तातरण– स्वायत्त अथवा समायोजन भुगतान संतुलन में संतुलन लाते है?

उः– – समायोजन हंस्तातरण भुगतान संतुलन में संतुलन लाते है।

6 विदेशी विनिमय की आवश्यकता क्यों होती है?

उः– –1. विदेशी वस्तुओं का आयात ।

2. विदेशों में निवेश।
3. विदेशों में भेंट उपहार भेजना ।
4. विदेशी मुद्राओं के मूल्यों पर सट्टा ।
5. अन्तर्राश्ट्रीय सौदों से संबंधित अन्य भुगतान ।

7 विदेशी मुद्रा के अन्तः प्रवाह के लिए कौन से कारक उत्तरदायी है ?

उः– 1. विदेशों में वस्तुओं तथा सेवाओं का निर्यात ।

2. गृह देश में विदेशियों द्वारा निवेश ।
3. भोश संसार से भेंट,उपहार स्वरूप प्राप्त करना ।
4. विदेशी विनिमय के सौदागरों एंव सट्टा करने वालों के कारण विदेशी मुद्रा का देश की ओर आना।

8 जब विदेशी मुद्रा की विनिमय दर गिरती है तो उसकी माँग बढ़ती है । समझाइये कैसे ।

उः– जब विदेशी मुद्रा की विनिमय दर गिरती है तो आयात सस्ते हो जाते हैं । आयात के लिए माँग बढ़ जाती है तथा आयात के लिए विदेशी विनिमय की माँग बढ़ जाती है ।

9 जब विदेशी मुद्रा की विनिमय दर गिरती है तो उसकी पूर्ति में भी कमी आती है। वर्णन करो।

उ जब विदेशी मुद्रा की विनिमय दर गिरती है तो निर्यात कम लाभकारी हो जाती है तथा विदेशी मुद्रा की पूर्ति मे कमी आती है।

10 यदि भुद्ध आयात का मूल्य 160 करोड़ रूपये तथा निर्यात का मूल्य 400 करोड़ रूपये है तो आयात का मूल्य ज्ञात करें ।

उ व्यापार भोश = निर्यात – आयात

आयात = निर्यात – व्यापार भोश =400 – (–160) = 560

अथवा आयात = निर्यात + भुद्ध आयात = 400 + 160 = 560

उत्तर – रू0 560 करोड़

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

11 यदि एक देश के भुगतान भोश का मूल्य (–) 100 करोड़ रू0 है तथा कुल भुगतान 500 करोड़ रु0 हैं तो प्राप्तियों का मूल्य ज्ञात करें ।

उः– भुगतान भोश = कुल प्राप्तियाँ – कुल भुगतान

कुल प्राप्तियाँ = कुल भुगतान + भुगतान भोश

500 +(–100)

500 +(– 100) = 400

उत्तर :– 400 करोड़ रू0

12 भुगतान संन्तुलन सदैव संतुलित रहता है । विचार विमर्श करें ।

उः– भुगतान सन्तुलन सदैव संतुलित रहता है । चालू खाते का ऋणात्मक पक्ष पूँजीगत खाते के घनात्मक पक्ष द्वारा संन्तुलित किया जाता है । मौद्रिक अधिकारियों द्वारा इस घाटे को विदेशी मुद्रा भण्डार में कमी करके अथवा अन्तर्राश्ट्रीय मुद्रा कोश आदि से उधार लेकर पूरा किया जाता है । भुगतान सन्तुलन सदैव सन्तुलित रहता है ।

Downloaded from www.studiestoday.com